भाषाएं हमें समृद्ध करती हैं और सामाजिक रुप से जोड़ने का काम करती है": लोकसभा अध्यक्ष

नई दिल्ली 11 अगस्त 2020: लोक सभा अध्यक्ष , श्री ओम बिरला ने आज संसद भवन में लोक सभा सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए फ्रेंच भाषा के प्रारम्भिक स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री बिरला ने कहा कि "आपस में जुड़े हुए विश्व में विभिन्न भाषाओं का ज्ञान बहुत उपयोगी है और विभिन्न क्षेत्रों में सफलता के लिए आवश्यक भी है।" यह विचार व्यक्त करते हुए कि भाषाएँ लोगों को एक दूसरे के साथ जोड़ती है और उनकी दक्षता एवं कुशलता बढ़ाती है, उन्होंने कहा "भाषाएं हमें समृद्ध करती हैं और सामाजिक रुप से जोड़ने का काम करती है।" श्री बिरला ने यह भी कहा कि नयी भाषाओँ को सीखकर हमें अपने कौशल और दक्षता में सुधार के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए।

यह टिप्पणी करते हुए कि भारत विविधताओं का देश है और संसद हमारी विविधताओं का केंद्र बिंदु है, श्री बिरला ने कहा "लोक सभा लोकतंत्र का मंदिर है और 130 करोड़ भारतीयों की भावनाओं की अभिव्यक्ति का केंद्र है।" लोक सभा में माननीय सदस्य अपनी बात 22 भारतीय भाषाओं में रख सकते हैं। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि लोक सभा सचिवालय ने अपने अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए इस तरह के प्रशिक्षण की व्यवस्था की है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि " लोक सभा सचिवालय देश के अन्य संस्थानों का मार्गदर्शन करे और उसके लिए आवश्यक है कि हमारी दक्षता व कुशलता बेहतर हो। हमने इसी दिशा में कार्य करना प्रारंभ किया है।"

श्री बिरला ने संसदीय लोकतन्त्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा की गई इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि प्राइड ज्ञान और शोध का प्रमुख केंद्र है। उन्होंने इस बात का उल्लेख भी किया कि भविष्य में जर्मन, रूसी, स्पेनिश और विश्व की अन्य महत्वपूर्ण भाषाओँ के प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेंगे।

कार्यक्रम के आरंभ में, लोक सभा महासचिव, श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव ने श्री बिरला का स्वागत किया तथा श्री बिरला एवं एकत्रित प्रतिभागियों को इस पाठ्यक्रम का संक्षिप्त विवरण दिया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 57 अधिकारियों ने पंजीकरण करवाया है।